

राजस्थान सरकार
राजस्व विभाग

क्रमांक:- प. 6५५५राज-6/2001/३२

जयपुर, दिनांक:- 28-5-2002

भैंधिसूचना :-

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 वि 1956 का राजस्थान अधिनियम संख्या-15वि की धारा 90-के साथ प्रतिक्रिया का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान भू-राजस्व वि ग्रामीण बेंचों में कृषि भूमि का अकृषिक प्रयोजनों के लिए संपारिवर्तन वि नियम, 1992 को ओर संविधित करने के लिए, इसके द्वारा विस्तृत विभागित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संदिग्ध नाम और प्रारम्भ :- १५ इन नियमों का नाम राजस्थान भू-राजस्व वि ग्रामीण बेंचों में कृषि भूमि का अकृषिक प्रयोजनों के लिए संपारिवर्तन वि नियम, 2002 है।

१५ ऐसे राजपत्र में हमके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगे।

2. नियम 5-का संविधित :-

राजस्थान भू-राजस्व वि ग्रामीण बेंचों में कृषि भूमि का अकृषिक प्रयोजनों के लिए संपारिवर्तन वि नियम, 1992 के नियम 5-के में की "विभाग अभिव्यक्ति" 1000 वर्गमीटर के स्थान पर अभिव्यक्ति "2500 वर्गमीटर" प्रतिस्थापित की जाएगी।

राजभाल के आदेश से,

वि सत० सत० रामा० वि
विभाग उप सचिव

प्रतिलिपि विभागित को सूचनार्थी एवं आवश्यक कार्यवाही वेतु प्रेरित है:-

1. निजी साधिव, मुद्र्यमंत्री/राजस्वमंत्री/मुद्र्य सचिव/राजस्व सचिव
2. कमर्शुल संभागीय आयुक्त/जिला कलेक्टर, राजस्थान।
3. गिबन्धक, राजस्व मण्डल राज०, अजमेर।
4. निदेशक सूचना एवं प्रोवोगिकी वि कम्प्यूटर्स विभाग।
5. निदेशक, आर. आर. टॉ. आर्ह. अजमेर।
6. निदेशक जनसभ्यक निदेशालय, जयपुर।
7. निदेशक राज्य केन्द्रीय सुदूरणालय राजस्थान जयपुर को राजपत्र विभाग के दिनांक 28-5-2002 में प्रकाशित।
8. "राखिरा" राजस्व मण्डल, अजमेर
9. विभाग उप सचिव, राजस्व विभाग। 2, 3, ४
10. उप विबन्धक वि. छंद लोहा राजस्थान